हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 53 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 13 मई से 19 मई 2022

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने खारिज की ताजमहल के 22 कमरे खुलवाने की मांग वाली याचिका

याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

लखनऊः इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आगरा के ताजमहल में बंद पड़े 22 कमरों को खुलवाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस मामले में कड़ी फटकार भी लगाई है। ताजमहल के 22 कमरों को खुलवाने के साथ ही सर्वे कराने की याचिका खारिज होने पर याचिका दायर करने वाले भाजपा नेता डा रजनीश सिंह ने कहा कि हम सर्वे के मामले को अब सुप्रीम कोर्ट ले जाएंगे।न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने याचिका पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अदालत भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के वकील रुद्र विक्रम सिंह को भी बिना कानूनी प्रावधानों के भी याचिका दायर करने के लिए एक आकस्मिक तरीके से याचिका दायर करने के लिए खींच लिया। बेंच ने उससे यह भी कहा कि याचिकाकर्ता यह नहीं बता सकता कि उसके किस कानूनी या संवैधानिक

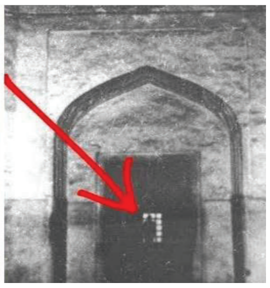

अधिकार का उल्लंघन किया गया है। दलीलों के बाद जब पीठ याचिका खारिज करने जा रही थी तो याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से याचिका वापस लेने और बेहतर कानूनी शोध के साथ एक और नई याचिका दायर करने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन पीठ ने उनके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया और याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ताजमहल के संबंध में दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायालय ने याचिका को पोषणीय न मानते हुए खारिज किया है।न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय व न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश डा रजनीश कुमार सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया।

न्यायालय ने कहा कि याचिका मे जो मांग की गई है, उन्हें न्यायिक कार्यवाही में तय नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने आगे कहा कि ताजमहल के संबंध में रिसर्च एक एकेडमिक काम है, न्यायिक कार्यवाही में इसका आदेश नहीं दिया जा सकता। न्यायालय ने याचिका में उठाए गए विषयों व प्रार्थना को न्यायालय ने पोषणीय नहीं माना है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पहले तो इस याचिका पर सुनवाई से ही इन्कार कर दिया था, लेकिन याचिकाकर्ता के आग्रह पर दो बजे से सुनवाई होगी। लखनऊ खंडपीठ ने आज ही इस मामल के पटाक्षेप का संकेत दे दिया था। कोर्ट ने साफ कहा कि जनहित याचिका की प्रणाली का दुरुपयोग ना करें।

ईडी ने निजी अस्पताल में इलाज की अनिल देशमुख की याचिका का किया विरोध

मुंबई: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की उस याचिका का विरोध किया, जिसमें उन्होंने एक निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति मांगी थी। ईडी ने कहा कि अनिल देशमुख मुंबई के सरकारी जेजे अस्पताल में इसी तरह का इलाज करा सकते हैं। ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में यहां एक विशेष अदालत के समक्ष अपना हलफनामा पेश किया। ईडी ने कहा कि जेजे अस्पताल, जहां अनिल देशमुख का इलाज किया गया था, के डाक्टरों ने उनके कंधे की सर्जरी का सुझाव दिया, लेकिन आपात स्थिति में ऐसा करने की जरूरत नहीं है। ईडी ने दावा किया कि जेजे अस्पताल में डाक्टर सर्जरी करने के लिए योग्य हैं और इसलिए अनिल देशमुख को एक निजी अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अनिल देशमुख के वकील अनिकेत निकम ने तर्क दिया कि अस्पताल और अपनी पसंद के डाक्टर से इलाज कराना मंत्री का अधिकार है। विशेष अदालत मंगलवार को याचिका पर फैसला सुनाएगी। ईडी द्वारा पिछले नवंबर में मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तारी के बाद से अनिल देशमुख (72) फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के हलफनामे में कहा गया है कि एजेंसी ने जेजे अस्पताल के डाक्टरों से पूछताछ की थी, जहां अनिल देशमुख को कंधे में दर्द के लिए भर्ती कराया गया था। ईडी के अनुसार, अनिल देशमुख का मामला आपातकालीन सर्जरी नहीं था। ईडी ने कहा कि डा अंकित मार्फतिया, विशेषज्ञ आर्थोस्कोपी सर्जन और जेजे अस्पताल के सहायक प्रोफेसर ने आवेदक (देशमुख) के समान 30-35 कंधे से संबंधित सर्जरी की है और उन्होंने आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी में अपनी विशेषज्ञता भी की है।

ईडी ने कहा कि अनिल देशमुख को निजी अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है और वह जेजे अस्पताल में ही इलाज करा सकते हैं। निकम ने तर्क दिया कि राकांपा के वरिष्ठ नेता के कंधे का दर्द कम नहीं हो रहा है और उन्हें जेजे अस्पताल द्वारा सर्जरी की सलाह दी गई है। अनिल देशमुख इस सर्जरी को एक अस्पताल और अपनी पसंद के डाक्टरों से कराना चाहते हैं।

शाहरुख खान के बंगले मन्नत के पास स्थित 21 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

मुंबई. मुंबई के बांद्रा बैंडस्टैंड इलाके में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बंगले मन्नत के पास स्थित 21 मंजिला आवासीय इमारत में सोमवार शाम भीषण आग लग गई. यह जानकारी दमकल विभाग के एक अधिकारी ने दी. इस घटना में किसी के हताहत होने की अभी कोई सूचना नहीं है. दमकल अधिकारी के मुताबिक आग 21 मंजिला इमारत की 14वीं मंजिल पर लगी. इसे ह्यस्तर-दोह्व आग के तौर पर वर्गीकृत किया गया है.

अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग को शाम करीब सात बजकर 45 मिनट पर इस बारे में सूचना मिली थी. इसके बाद दमकल की आठ गाड़ियां, सात जंबो टैंकर और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं. बृहन्मुंबई महानगरपालिका बीएमसी), अडाणी बिजली के अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं. अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं.

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says "MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW

+919819921673, +919769071673

www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com

Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिलेंगे राणा दंपति, बोले- जेल में हुए खराब बर्ताव की करेंगे शिकायत

मुंबई: निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा ने सोमवार को कहा कि उनके साथ जेल में महाराष्ट्र के अधिकारियों द्वारा किए गए कथित खराब बर्ताव के मुद्दे को वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष उठाएंगे. यहां पत्रकारों से बातचीत में नवनीत राणा ने कहा, ह्यह्यभारतीय जनता पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने वालेह्लह्ल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राणाओं को सिद्धांतों का पाठ नहीं पढ़ाना चाहिए. राणा दंपति ने इस आरोप से भी इनकार किया कि उन्होंने मीडिया से बात करके अदालत की अवमानना की है. यहां एक विशेष अदालत ने 4 मई को दंपति को जमानत देते हुए कहा था कि दोनों जमानत पर रहते हुए इसी प्रकार का अपराध न करें और मामले से जुड़े किसी भी विषय पर प्रेस से बातचीत न करें. राणा दंपति को मुंबई पुलिस ने 23 अप्रैल को गिरफ्तार किया था. उन्होंने घोषणा की थी कि वे यहां मुख्यमंत्री ठाकरे के निजी आवास ह्यमातोश्रीह्ल के बाहर ह्यहनुमान चालीसाह्ल का पाठ करेंगे, जिससे शिवसेना के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए थे. नवनीत राणा ने कहा, ह्यह्यहम आज दिल्ली जा रहे हैं और उन सभी नेताओं से मुलाकात करेंगे जो महिलाओं का सम्मान करते हैं. मैं प्रधानमंत्री, (केंद्रीय) गृह मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करने और उन्हें यह बताने जा रही हूं कि हवालात से जेल तक हमारे साथ किस तरह से बुरा बर्ताव किया गया. मैं इसके बारे में शिकायत करने जा रही हूं.शिवसेना सांसद संजय राउत को ह्यह्यतोताह्लह्ल बताते हुए नवनीत राणा ने आरोप लगाया कि उन्होंने ह्यह्यदंपति को दफनानेह्लह्ल की बात की थी. उन्होंने कहा, ह्यह्यहमने इसके खिलाफ यहां एक शिकायत दर्ज करायी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

200 महिलाओं से 5 करोड़ लूटने वाले कपल को मुंबई पुलिस ने गुजरात में पकड़ा

पैसा डबल करने का देते थे झांसा

मुंबई. मलाड इलाके में रहने वाले दंपति को 200 से अधिक महिलाओं से 5 करोड़ की ठगी के आरोप में महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया है. ये दंपति गुजरात के सूरत में जाकर छिप गए थे. ये निवेश योजना का झांसा देकर लोगों के साथ धोखाधड़ी करते थे. पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मनीष चव्हाण और उनकी पत्नी बंदना को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया है. ये दंपति मुंबई के मलाड में अपनी संपत्ति बेचकर गुजरात भाग गए थे. लोगों की शिकायत के बाद से इस जोड़े के लिए पुलिस ने कई जगह दबिश दी थी.

इसी बीच उनके सूरत में होने की जानकारी मिली और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि चव्हाण दंपति ने लोगों से यह वादा किया था कि वे धनराशि को पांच साल के भीतर दोगुना कर देंगे. उन्होंने कई लोगों से निवेश योजना में धन लगवाया और भरोसा दिया कि राशि पांच सालों को दोगुनी होकर वापस मिल जाएगी. इस योजना में 200 से अधिक महिलाओं ने निवेश किया था. यह राशि 5 करोड़ रुपए के लगभग है.

कुछ समय बाद चव्हाण दंपति ने अपनी सारी संपत्ति बेचकर फरार हो गए. उनकी कोई सूचना या संपर्क नहीं मिलने पर बड़ी संख्या में लोगों ने पुलिस में शिकायत की. इस बीच मलाड की रहने वाली उर्वशी पटेल ने पुलिस को बताया कि चव्हाण दंपति सूरत में हैं, इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया.

लाउडस्पीकर विवाद पर राज ठाकरे ने सीएम उद्धव को दी सख्त चेतावनी

कहा- हमारे धैर्य की न लें परीक्षा

मुंबई। मस्जिदों पर लाउडस्पीकर के मुद्दे पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की जमकर आलोचना की है। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने मंगलवार को शिवसेना के नेतृत्व वाली सरकार को इस मामले में अपनी पार्टी के धैर्य की परीक्षा के खिलाफ आगाह किया है। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में राज ठाकरे ने कहा कि 28,000 से अधिक मनसे कार्यकताओं को निवारक नोटिस दिए गए हैं, जबकि हजारों को राज्य से बाहर भेज दिया गया है।उद्धव को लिखे पत्र में सवाल करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि यह (पुलिस कार्रवाई) किस लिए है? मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाने के लिए जो ध्वनि प्रदूषण का कारण बन रहे हैं? साथ ही राज ठाकरे ने कहा कि पुलिस महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेताओं की तलाश कर रही है जैसे कि वे पाकिस्तानी आतंकवादी या पूर्ववर्ती निजाम शासन के ह्यरजाकारह्ल हों।मनसे प्रमुख ने हैरानी जताते हुए कहा कि यह मुझे सोचने पर मजबूर करता है कि क्या पुलिस ने आतंकवादियों या मस्जिदों में छिपे हथियारों का पता लगाने के लिए वही सख्ती दिखाई है। उन्होंने कहा कि मराठी लोग और हमारे हिंदू भाई राज्य सरकार के इस रुख को देख रहे हैं।राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे से कहा कि मेरे पास राज्य सरकार को बताने के लिए केवल एक ही चीज है। हमारे धैर्य की परीक्षा न लें। शक्ति का ताम्रपत्र लेकर कोई नहीं आया है। आप भी नहीं।

बता दें कि राज ठाकरे ने इससे पहले 4 मई को राज्य सरकार को मस्जिदों के ऊपर से लाउडस्पीकर हटाने का अल्टीमेटम दिया था और चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो मस्जिदों के बाहर अधिक मात्रा में ह्यहनुमान चालीसाह्ल बजाया जाएगा। गौरतलब है कि राज ठाकरे के अल्टीमेटम पर राज्य सरकार ने कहा था कि केंद्र सरकार को पब्लिक एड्रेस सिस्टम के इस्तेमाल पर नीति बनानी चाहिए।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

अपनी भाषा में न्याय

सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के महत्वपूर्ण फैसलों का हिंदू अनुवाद सर्वसुलभ कराने के लिए सर्च इंजन और एक एप बनाने की प्रक्रिया शुरू होना स्वागत योग्य तो है, लेकिन इसका सीमित महत्व ही है। यदि यह सुविधा उपलब्ध होती है, तो उसका लाभ मुख्यतः विधि के छात्रों, कानून के जानकारों और अन्य पेशेवरों को ही मिलेगा। निःसंदेह इससे वे लाभान्वित होंगे, लेकिन आज आवश्यकता यह है कि आम जनता को उसकी भाषा में न्याय उपलब्ध हो।हाल में दिल्ली में मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में इसकी आवश्यकता पर बल तो दिया गया, लेकिन इसके प्रबल आसार नहीं दिखते कि इस दिशा में कुछ ठोस हो सकेगा। इसका एक बड़ा कारण तो सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की ओर से भी यह कहना है कि इसमें कुछ व्यावहारिक समस्याएं हैं। हालांकि उन्होंने स्थानीय भाषा में न्याय की जरूरत पर भी बल दिया, लेकिन इसी के साथ जिस तरह व्यावहारिक समस्याओं को रेखांकित किया गया उससे यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि इस दिशा में आगे बढ़ना संभव हो पाएगा या नहीं? यदि न्यायपालिका के स्तर पर इसमें रुचि नहीं दिखाई जाती कि उच्चतर न्यायालयों के स्तर पर लोगों को उनकी भाषा में न्याय मिले तो फिर यह आकांक्षा कभी पूरी होने वाली नहीं है। इस मामले में न्यायपालिका के साथ ही सरकार को भी रुचि लेनी होगी और यह देखना होगा कि किसी न किसी स्तर पर एक शुरूआत हो। कम से कम लोक महत्व के मामलों में तो फैसले जनता की भाषा में ही देने का कोई उपक्रम होना चाहिए। यदि दुनिया के अन्य कई देशों में ऐसा हो सकता है तो फिर भारत में क्यों नहीं हो सकता? इस प्रश्न के उत्तर में यदि कुछ आड़े आ रहा है, तो वह है इच्छाशक्ति की कमी। यदि न्यायपालिका और कार्यपालिका अपेक्षित इच्छाशक्ति का परिचय दे तो उन व्यावहारिक समस्याओं का समाधान आसानी से किया जा सकता है जो स्थानीय भाषा में न्याय उपलब्ध कराने में बाधक बनी हुई हैं। इच्छाशक्ति का परिचय केवल लोगों को उनकी भाषा में न्याय उपलब्ध कराने में ही देने की आवश्यकता नहीं है। ऐसी ही आवश्यकता समय पर न्याय उपलब्ध कराने के मामले में भी है। यह ठीक नहीं कि निचली अदालतों से लेकर उच्चतर न्यायालयों में लंबित मुकदमों का बोझ बढ़ता ही चला जा रहा है।

दिल्ली की गद्दी पर दक्षिण के दावे

भारत केराजनीतिक इतिहास में दक्षिण से केवल दो प्रधानमंत्री रहे हैं, पी वी नरसिम्हा राव और एच डी देवेगौड़ा। घटनाओं के अप्रत्याशित मोड़ के बाद दोनों 1990 के दशक में इस पद पर पहुंचे। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद राव को कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। 1996 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी के खराब प्रदर्शन और भाजपा की 13 दिन पुरानी सरकार गिरने के बाद देवेगौड़ा इस पद पर पहुंचे थे। राव कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक थे और सेवानिवृत्ति की योजना बना रहे थे, जब अचानक घटनाओं ने उन्हें केंद्र में ला खड़ा किया। यह सीपीएम की ऐतिहासिक भूल थी, जिसने ज्योति बसु को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह पद देवेगौड़ा की गोद में जा गिरा। राव और देवेगौड़ा का उदय कितना भी अप्रत्याशित क्यों न हो, इसने इस धारणा को चुनौती दी थी कि प्रधानमंत्री कार्यालय का मार्ग अनिवार्य रूप से भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से होकर गुजरना चाहिए। हम देखते हैं कि उत्तरी राज्यों पर बहुत अधिक निर्भरता की अपनी मूल राजनीति के साथ भाजपा ने हिंदी पट्टी पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रखा है। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात से हैं, फिर भी उन्होंने बनारस को अपने निर्वाचन क्षेत्र के रूप में चुना, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में हिंदी गढ़ के महत्व को ही बल मिला।

दो ऐसे अवसर भी आए, जब दक्षिण के नेता प्रधानमंत्री कार्यालय में विराजने से वंचित रह गए, लेकिन ह्यकिंगमेकरह्न के रूप में जरूर उभरे। अभिनेता से नेता बने एन टी रामाराव 1988 में नेशनल फ्रंट के नेता बने। हालांकि, वह शायद ही एक राजनीतिक दिग्गज थे, लेकिन उन्हें वी पी सिंह, ज्योति बसु, बीजू पटनायक और देवी लाल जैसे लोगों ने स्वीकार किया।आठ साल बाद राव के दामाद, चंद्रबाबू नायडू, धर्मनिरपेक्ष संयुक्त मोर्चे के नेता बने और प्रधानमंत्री पद के लिए आम सहमति के उम्मीदवार के रूप में देवेगौड़ा के चयन को आसान बनाया। नायडू बाद में किनारे हो गए और राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चे के संयोजक बने, जिसमें भाजपा भी शामिल थी।

बहरहाल, पिछले 25 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। दक्षिण के क्षेत्रीय दलों ने भाजपा के जवाब में अपना किला तो मजबूत रखा है, पर वे शायद ही वैकल्पिक नेतृत्व या राष्ट्रीय दृष्टिकोण पेश करने की स्थिति में हैं। वास्तव में तेलंगाना राष्ट्रीय समिति या टीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव को छोड़कर किसी ने भी दिल्ली की गद्दी पर विराजने की इच्छा व्यक्त नहीं की है।के चंद्रशेखर राव, जिन्हें केसीआर के नाम से भी जानते हैं, मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में 2019 से संभावित तीसरे मोर्चे के नेता के रूप में उभरने के संकेत दे रहे हैं। हालांकि, उनकी इस कोशिश पर किसी ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया है। कारण यह है कि उनकी कोशिश अविश्वसनीय नजर आती है। कभी राव यूपीए सरकार का हिस्सा थे, मगर उन्होंने वह गठबंधन छोड़ने में कतई समय बर्बाद नहीं किया और बाद में नवगठित तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने खुद को एनडीए से जोड़ लिया। उन्हें अवसरवादी के रूप में देखा गया। केसीआर ने प्रधानमंत्री पद की चाह का प्रदर्शन तब शुरू किया, जब उनके गृह राज्य में भाजपा प्रमुख विपक्ष पार्टी के रूप में उभर आई। इससे पहले केसीआर ने तेलंगाना में कांग्रेस को कड़ी मेहनत से लगभग खत्म कर दिया था, शायद ही उन्होंने इस बात को महसूस किया कि कांग्रेस का स्थान जल्द ही एक बड़ी, दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी, भाजपा से भर जाएगा।

इसलिए जब वह अन्य विपक्षी नेताओं से सहयोग का हाथ मांग रहे हैं, तो कोई जवाब नहीं दे रहा है। फिर भी केसीआर-समर्थकों को लगता है कि वह प्रधानमंत्री पद के योग्य हैं। केसीआर ने नवगठित राज्य को सफलतापूर्वक चलाया है, ऐसा सभी क्षेत्रीय दल नहीं कर सके हैं। उन्होंने अपने बेटे को उत्तराधिकारी भी चुन लिया है, पर अभी राज्याभिषेक कराने में असमर्थ हैं।द्रमुक नेता, एम के स्टालिन, अपने तमिलनाडु राज्य के प्रबंधन से ही संतुष्ट हैं, जहां वह केंद्र की निरंतर चकाचौंध से सावधान रहते हुए अपनी सरकार चला रहे हैं। भाजपा राज्य में अपना विस्तार करने की इच्छुक है, लेकिन द्रविड़ पार्टी को एक बाधा के रूप में देखती है। दूसरी ओर, अन्नाद्रमुक 2016 में अपनी सर्वोच्च नेता जे जयललिता की मृत्यु के बाद से ही असमंजस में है।

जल निगम भर्ती घोटाले में आजम खां की सीबीआइ कोर्ट में पेशी

विधायक ने मांगे चार्जशीट के साथ दाखिल दस्तावेज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रामपुर सदर से विधायक आजम खां की गुरुवार को लखनऊ में सीबीआइ कोर्ट में पेशी हुई। करीब आधा घंटा तक कोर्ट में रहे आजम खां ने उत्तर प्रदेश जल निगम भर्ती घोटाले में चार्जशीट के साथ दाखिल दस्तावेजों की मांग की। इस सुनवाई के बाद आजम खां को फिर सीतापुर जेल भेज दिया गया, जबकि इस केस की अगली सुनवाई में कोर्ट फिर पूछताछ करेगी।रामपुर सदर से समाजवादी पार्टी के विधायक आजम खां को उत्तर प्रदेश जल निगम में भर्ती में घोटाले के मामले में गुरुवार को लखनऊ की सीबीआइ कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान आजम खां करीब आधा घंटा तक कोर्ट में रहे।

आजम खां के वकीलों ने कोर्ट से जरूरी दस्तावेजों की मांग की। आजम खां के वकीलों ने एसआइटी की चार्जशीटके साथ दाखिल दस्तावेजों की मांग की। इसके साथ ही आजम खां ने एफएसएल रिपोर्ट की मांग की। कोर्ट की कार्यवाही के बाद आजम खां को वापस सीतापुर जेल भेज दिया गया। माना जा रहा है कि आज शाम तक इस केस की अगली तारीख भी मिल जाएगी।

शिवराज कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी बेटियों के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना-2 है जो एक महत्वकांक्षी योजना है। हमारे यहां 42 लाख बेटियां मध्य प्रदेश के अंदर हैं। हमारी बेटियां 1500 के लगभग इस साल कालेज में आ आएंगी इन्हें 25 हजार रुपये दो किश्तों में देने का कैबिनेट ने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस के कर्मचारियों के लिए अस्पताल 50 बेड की क्षमता का भदभदा में अलग से पुलिस के लिए ही बनाने का निर्णय कैबिनेट ने किया है। इसके फर्नीचर, मेडिकल, पदों के लिए आज राशि स्वीकृत हो गई है। एमएसएमई विकास नीति 2021 के अंतर्गत फर्नीचर और खिलौना इकाईयों को भी विशेष वित्तीय सहायता देने का भी सरकार ने निर्णय लिया है। इंदौर प्रेस क्लब के मासिक किराए में परिवर्तन करके दस हजार रुपए प्रतिमाह कर दिया है। मासिक बड़ी राशि की छूट प्रेस क्लब को दी गई है।भोपाल। सीएम शिवराज सिहं चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश को ओबीसी से 3-3 मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी ने दिए हैं, कांग्रेस ने नहीं। इन्होंने तो ओबीसी के किसी आदमी को कभी मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया। लेकिन षड्यंत्र और महापाप कांग्रेस ने किया है, इनके इस पाप का पदार्फाश भी करना है।

बिहार में औद्योगिक निवेश बढ़ाने को दिल्ली में इन्वेस्टर्स मीट आज, उद्योगों को ये बड़ी सहूलियतें दे रही नीतीश सरकार

पटनाः बिहार में निवेशकों को आकर्षित व आमंत्रित करने के लिए दिल्ली में गुरुवार को बिहार इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली के होटल ताज मान सिंह में होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। बिहार को उम्मीद है कि इस मीट के जरिए निवेशकों को आमंत्रित करने में मदद मिलेगी। राज्य में सात दिनों में उद्योग के प्रस्ताव को मंजूरी देने की व्यवस्था की

गई है। बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि राज्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में औद्योगिक विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने बिहार के औद्योगिक विकास की सहूलियतों की जानकारी भी दी।

ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में अदालत ने कहा - परिसर में जारी रहेगी एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से एडवोकेट कमिश्नर को बदलने और ज्ञानवापी के तहखाने की वीडियोग्राफी मामले पर गुरुवार की दोपहर दो बजे के बाद अदालत ने अपना फैसला सुना दिया। ज्ञानवापी परिसर में कमीशन की कार्यवाही कर रहे एडवोकेट कमिश्नर को बदलने की अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की मांग सहित तहखाने की वीडियोग्राफी कराने की वादी पक्ष की अपील पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाया तो अदालत परिसर में खूब गहमागहमी नजर आई। अदालत ने फैसले में कहा है कि कमीशन की कार्यवाही जारी रहेगी। वहीं वीडियो रिकार्डिंग के साथ 17 मई तक रिपोर्ट प्रेषित करने का एडवोकेट कमिश्नर को आदेश दिया गया है।अदालत ने किया स्पष्ट : बहुप्रतीक्षित अदालत के फैसले में इस बार शासन और प्रशासन के सहयोग से 17 मई के पूर्व

संपूर्ण ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियो रिकार्डिंग करके कोर्ट को उपलब्ध कराना है। सारा अधिकार जिलाधिकारी को अदालत ने ताला खुलवा कर कमीशन की कार्यवाही का निर्देश जारी किया है। सर्वे का विरोध करने वालों पर विधिक कार्रवाई का निर्देश जारी किया गया है। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से सभी प्रकार की मांगों को खारिज करते हुए एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्रा और विशेष अधिवक्ता आयुक्त विशाल सिंह के साथ ही सहायक अधिवक्ता आयुक्त अजय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे और कमीशन की कार्यवाही पूरा कराएंगे। इस मामले में पूरे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियो रिकार्डिंग का आदेश अदालत की ओर से जारी करने की जानकारी अधिवक्ताओं की ओर से दी गई। ज्ञानवापी कमीशन कार्रवाई के संबंध में कोर्ट ने पूरी तरह से स्पष्ट रूप से गुरुवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि कमीशन की कार्यवाही जारी रहेगी। अंजुमन इंतजामिया कमेटी की एडवोकेट कमिश्वर बदलने की मांग भी खारिज कर दी गई। स्पष्ट किया गया कि अजय कुमार मिश्रा एडवोकेट कमिश्नर बने रहेंगे। उन्हें 17 मई तक कोर्ट में पूरी कार्यवाही की रिपोर्ट सबमिट करनी होगी।

कविता

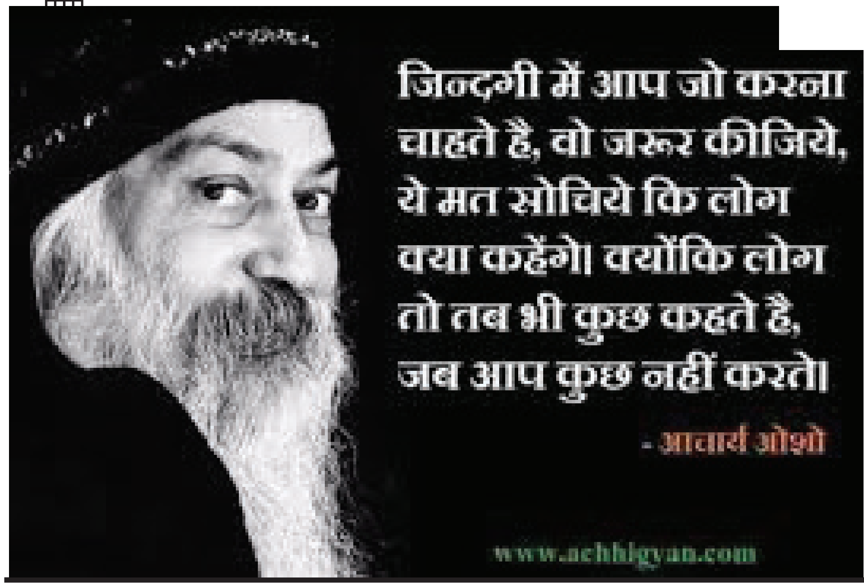

कहै कबीर दीवाना-ओशो

इसीलिए कबीर आकाश शब्द का प्रयोग बार-बार करते हैं। वह परमात्मा का स्वभाव है। शून्य उसका स्वभाव है। वह तुम्हें झुकाता नहीं। तुम झुक रहे होओगे, तो वहां कोई मुस्कुराता नहीं है। क्योंकि उतनी मुस्कुराहट भी तुम्हें रोक देगी। तुम झुक रहे होओगे तो कोई तुम्हारी पीठ थपथपाता नहीं। क्योंकि उतने में ही अकड़ लौट आएगी, कि अरे! यहां भी कोई मौजूद है। तुम्हारी अकड़ वापस आ जाएगी। संघर्ष शुरू हो जाएगा।

परमात्मा से लड़ने का उपाय नहीं है। क्योंकि वह इतना छिपा हुआ है कि तुम कैसे लड़ोगे? परमात्मा को पाने का भी उपाय नहीं है। सिर्फ अपने को खोने का उपाय है। जो खो देते हैं, वे पा लेते हैं। जो पाने निकलते हैं, वे कभी नहीं खोज पाते। मेरे पास लोग आते हैं। वे कहते हैं, हमें ईश्वर खोजना है। मैं उनसे कहता हूं कि तुम खोजो। बाकी तुम्हें मिलेगा नहीं। वे कहते हैं, क्यों? क्या गलती?

जारी...

बालों को घना और हेल्दी बनाने के लिए डाइट में शामिल करें 9 चीजें

बालों की खूबसूरती आपके चेहरे पर भी नजर आती है। अगर बाल पतले और बेजान हो, तो इसका विपरीत असर आपके फेस पर भी नजर आता है। इन दिनों बदलते लाइफस्टाइल की वजह से कई लोगों के बाल झड़ रहे हैं। साथ ही लोग कई ऐसी बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं, जिसकी वजह से उनके बाल काफी ज्यादा पतले और बेजान हो गए हैं। ऐसे में लोग अपने बालों को मोटा करने के लिए तरह-तरह के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका असर सिर्फ कुछ ही दिनों तक रहता है और बाद में फिर से आपके बाल वैसे के वैसे ही रह जाते हैं। अगर आप अपने बालों को अंदरुनी रूप से देखभाल करना चाहते हैं, तो अपने डाइट में कुछ बदलाव कीजिए। जी हां, लखनऊ स्थिति न्यूट्रीडाइट क्लीनिक की डायटीशियन प्रीति श्रीवास्तव बताती हैं कि डाइट में बदलाव करके आप अपने पतले बालों को मोटा कर सकते हैं। आज हम इस लेख में आपको कुछ ऐसे डाइट के बारे में बताएंगे, जिससे आपके बालों को अंदरुनी रूप से देखभाल मिलेगा। इससे आपके बाल मोटे और घने हो सकते

हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे आहार के नाम जिससे आपके बालों की बढ़ सकती है अंडे का सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहते हैं, तो अंडे को अपने डाइट में शामिल करें। अंडा प्रोटीन और बायोटीन से भरपूर होता है, जो आपके बालों को घना बनाए रखने में आपकी मदद कर सकता है। दरअसल, बालों के रोम प्रोटीन से बनते हैं, ऐसे में प्रोटीन युक्त आहार का सेवन करने से आपके बालों की ग्रोथ और मोटाई अच्छी होगी।

साथ ही इससे झड़ते बालों की परेशानी को भी दूर किया जा सकता है। वहीं, बायोटीन बालों के लिए जरूरी कैराटीन नामक प्रोटीन का उत्पादन करता है। इसके अलावा अंडे में जिंक और सेलनियम नामक तत्व होता है, जो बालों के लिए काफी जरूरी पोषक तत्व है। बालों को घना बनाए रखने के लिए हर रोज अपने डाइट 1 अंडा जरूर शामिल करें।

चेन्नई एक्सप्रेस एक्टर निकितिन धीर के घर गूंजी किलकारियां

नई दिल्ली: छोटी सरदारनी और पुनर्विवाह जैसे शोज से घर-घर में लोकप्रिय हुईं टीवी की बहू और अभिनेत्री कृतिका सेंगर मां बन चुकी हैं। कृतिका सेंगर और निकितन धीर ने अपने घर में नन्हें मेहमान का स्वागत आज यानी कि 12 मई 2022 को किया। परिवार में नन्हें मेहमान के आने के बाद खुशी का माहौल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कृतिका सेंगर ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है, हालांकि कपल ने अब तक इससे जुड़ी कोई भी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की है। लेकिन जबसे कृतिका सेंगर के मां बनने की खबर उनके फैंस को मिली है तब से वह कपल को खूब बधाई दे रहे हैं। कृतिका सेंगर के मां बनने की जानकारी देते हुए सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की। यह कृतिका सेंगर की प्रेग्नेंसी के समय की तस्वीर है। इस तस्वीर को अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, ह्यसभी कृतिका

और निकितन धीर के चाहने वालों, आज सुबह ही कपल ने अपने घर में नन्हें मेहमान का स्वागत किया हैह्न। उनके इस पोस्ट पर फैंस कमेंट करते हुए कपल को बधाई दे रहे हैं और कपल की जिंदगी में आए नन्हें मेहमान का तहे दिल से स्वागत कर रहे हैं। ढँङ्कएक्ट्रेस कृतिका सेंगर और थंगाबली बनकर घर-घर में फेमस हुए अभिनेता निकितन धीर ने बीते साल नवंबर में एक तस्वीर पोस्ट करके माता-पिता बनने की घोषणा की थी। अपने मां बनने की खुशी को फैंस के साथ शेयर करते हुए कृतिका सेंगर ने लिखा था, ह्यनिकितन धीर आज खुशी के सातवें आसमान पर हैं। वह पिता बनने के लिए बहुत ही उत्साहित हैं और मैं खुद को भाग्यशाली और धन्य मानती हूं कि मैं जल्द ही मां बनूंगी। आपको बता दें कि कृतिका सेंगर और निकितन धीर ने शादी के सात साल बाद अपने घर में नन्हें मेहमान का स्वागत किया है। अंकिता लोखंडे थाई हाई स्लिट एंड बैकलेस ड्रेस पहनने पर हुई

70 पारियों के बाद IPL में पहला अर्धशतक लगाने वाले आर अश्विन ने अपनी बल्लेबाजी क्रम को लेकर किया यह बड़ा खुलासा

नवी मुंबई। आइपीएल 2022 के 58वें लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रायल्स को 8 विकेट से हरा दिया। इस मैच में राजस्थान की टीम ने आर अश्विन की तेज अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन का स्कोर खड़ा किया था। दिल्ली की टीम ने 18.1 ओवर में 2 विकेट पर 161 रन बनाकर मैच में जीत दर्ज की ली थी। इस मुकाबले में राजस्थान की तरफ से आर अश्विन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे और उन्होंने 38 गेंदों पर 2 छक्के व 4 चौकों की मदद से 50 रन बनाए थे। आइपीएल में उन्होंने अपना पहला अर्धशतक 70 पारियों के बाद पूरा किया था। इस मैच के बाद अपनी पारी के बारे में बात करते हुए आर अश्विन ने कहा कि इस सीजन के पहले ही मुझे बता दिया गया था कि बल्लेबाज के रूप में मुझे ऊपरी क्रम पर भेजा जाएगा। हमने कुछ प्रैक्टिस मैच भी खेले थे जिसमें मैंने पारी की शुरूआत की थी। इस अनुभवी आफ स्पिनर ने कहा कि मैंने अपनी बल्लेबाजी पर काफी

मेहनत की और इसलिए यह देखकर अच्छा लग रहा है कि मुझे उसका फायदा मिल रहा है। आइपीएल से पहले किए गए अभ्यास के बारे में अश्विन ने कहा कि मैं सत्र के शुरू होने से पहले ही बल्लेबाजी में अच्छी लय में था। मैंने बल्लेबाजी पर थोड़ी मेहनत की, अपनी तकनीक में थोड़ा बदलाव किया। अर्धशतकीय पारी खेलकर अच्छा लग रहा है लेकिन यह टीम को जीत नहीं दिला पाया। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की जीत में मिशेल मार्श ने अहम भूमिका निभायी। मार्श ने पहले तीन ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिये और बाद में 89 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनके अलावा डेविड वार्नर ने 52 रन बनाए।मार्श ने कहा कि पावरप्ले में गेंद स्विंग कर रही थी, इसलिए जब से मैंने टी20 क्रिकेट खेलना शुरू किया है तब से मेरे लिये यह सबसे मुश्किल पावरप्ले था। उन्होंने आस्ट्रेलिया के अपने साथी वार्नर की भी प्रशंसा की। मार्श ने कहा कि मुझे डेविड वार्नर के साथ बल्लेबाजी करना अच्छा लगता है और हमने काफी अच्छी साझेदारियां की हैं।

तीन मैचों से खामोश है बटलर का बल्ला बावजूद इसके आरेंज कैप की लिस्ट में हैं टाप पर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में एक से बढ़कर एक मुकाबले खेले जा रहे है। सभी टीमों ने 11 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। इस दौरान रनों ही बौछार देखने को मिली है। बल्लेबाजों के बीच टाप पर बने रहने की जंग चल रही है। आरेंज कैप की रेस में कई धुरंधर शामिल हैं। राजस्थान के जोस बटलर का बल्ला पिछले तीन मैचों से शांत है बावजूद इसके वो आरेंज कैप की सूची में टाप पर बरकरार हैं। उनके अलावा केएल राहुल, शिखर धवन और श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खूब बोल रहा है। सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में बटलर लगातार सबको मात देते हुए पहले नंबर पर चल रहे हैं। दिल्ली के खिलाफ मैच में उनके बल्ले से केवल 7 रन निकले। अब उनके खाते में 12 मैचों में 625 रन हो गए हैं। दूसरे नंबर पर लखनऊ के कप्तान केएल राहुल हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं। गुजरात के खिलाफ मैच में राहुल ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और केवल 8 रन ही बना पाए। अब उनके खाते में 12 मैचों में 459 रन हो गए हैं। तीसरे नंबर पर दिल्ली के ओपनर डेविड वार्नर ने जगह बना ली है। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मैच में 52 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपने रनों की संख्या को 427 कर लिया है। उनके इस शानदार बल्लेबाजी के बाद आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने 73 रनों की शानदार पारी खेलकर अपने रनों की संख्या को 12 मैचों में 389 कर लिया। 5वें नंबर पर गुजरात के ओपनर शुभमन गिल ने जगह बना ली है। लखनऊ के खिलाफ मैच में उन्होंने 63 रनों की शानदार पारी खेली और रनों की संख्या को 384 पहुंचा दिया।

आइपीएल 2022 के बाद कोलकाता का साथ छोड़ेंगे कोच, इस टीम के साथ जुड़ सकते हैं

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और वर्तमान में कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने फ्रेंचाइजी को सूचित कर दिया है कि वो इस सीजन के बाद कोचिंग पद छोड़ देंगे। उनके निर्णय के पीछे कारण ये माना जा रहा है कि वो इंग्लैंड के अगले कोच बनने जा रहे हैं। एक अंग्रेजी वेबसाइट के अनुसार उन्होंने खिलाड़ियों की हालिया मीटिंग में इस बात की जानकारी दे दी है कि वो अब कोच की जिम्मेदारी छोड़ देंगे।इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की तरफ से जल्द ही औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी कि वो इंग्लैंड के अगले कोच होंगे। इंग्लैंड के पूर्व कोच सिल्वरवुड ने फरवरी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली करारी हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके बाद अंतरिम कोच के तौर पर पाल कालींगवुड ने ये जिम्मेदारी संभाली थी। मैकुलम के कोचिंग की शुरूआत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज से होगी। 2 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने जा रही है जो लार्ड्स, नाटिंघम और लीड्स में खेली जाएगी। रोब की के मैनेजिंग डायरेक्टर बनने के बाद बीते कुछ दिनों में इंग्लैंड क्रिकेट में तेजी से कुछ बड़े-बड़े फैसले लिए गए हैं। मैकुलम ने इंग्लैंड के कोच पद के लिए अपनी दिलचस्पी दिखाई थी। 101 टेस्ट मैच खेल चुके मैकुलम ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2016 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उस मैच में उन्होंने 54 गेंदों पर शतक लगाया था। उनके टेस्ट करियर की बात करें तो उन्होंने 6,453 रन बनाए हैं और 12 शतक और 31 अर्धशतक लगाए हैं। इसके अलावा उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 260 वनडे और 71 टी20 मैच खेले हैं।

मुंबई क्षेत्र के इन स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट हुआ महंगा, अब चुकाने होंगे 50 रुपये

मुंबईः महाराष्ट्र में गर्मी के मौसम में स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने और अलार्म चेन खींचने के दुरुपयोग को रोकने के लिए मध्य रेलवे ने नौ मई से 23 मई तक मुंबई और पड़ोसी शहरों के कुछ स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट की कीमत 10 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दी है। सोमवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर स्टेशन और मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के साथ-साथ पड़ोसी ठाणे, कल्याण और पनवेल स्टेशनों पर सोमवार से 15 दिनों के लिए प्लेटफार्म टिकट की कीमत को अस्थायी उपाय के रूप में बढ़ाने का प्रस्ताव है। पिछले महीने मुंबई

डिवीजन में अलार्म चेन खींचने के कुल 332 मामले सामने आए। इनमें से 53 मामले वैध कारणों के आधार पर दर्ज किए गए, जबकि 279 मामलों में वैध कारण नहीं थे। अधिकारी ने कहा कि बिना पर्याप्त या वैध कारणों के अलार्म चेन खींचने के लिए रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत 188 अपराधियों पर मुकदमा चलाया गया है और दंड के रूप में 94000 रुपये की राशि वसूल की गई है।

मध्य रेलवे ने यात्रियों से अनावश्यक कारणों से अलार्म चेन पुलिंग का सहारा नहीं लेने की अपील की है, क्योंकि इससे अन्य यात्रियों को असुविधा होती है। गौरतलब है कि आइआरसीटीसी की वेबसाइट पर जल्द ही प्लेटफार्म टिकट मिलेगा।

यानि यात्रियों को लाइन में लगकर या स्टेशन पर जाने के बाद ही प्लेटफार्म खरीदने की समस्या से निजात मिल जाएगी। वह घर बैठे वेबसाइट के जरिए प्लेटफार्म टिकट खरीद सकेंगे। रेल मंत्रालय को इसके लिए एक प्रस्ताव आइआरसीटीसी की ओर से भेजा गया है जिसमें सिफारिश की गई है कि आरक्षित टिकटों के साथ ही प्लेटफार्म टिकट की बिक्री करने की अनुमति भी उसे दी जाए।

संजय राउत का निशाना, कहा- महाराष्ट्र में शांति, माहौल बिगाड़ने वालों को जनता ने दिया जवाब

मुंबई। महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर जारी विवाद के बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने विरोधियों पर करारा हमला बोला है। संजय राउत ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में शांति है। कुछ लोग राज्य के हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लोगों ने उन्हें करारा जवाब दिया। संजय राउत ने ये भी कहा कि लाउडस्पीकर को लेकर एक नीति बनाई जानी चाहिए। संजय राउत ने भाजपा पर भी निशाना साधा। राउत ने कहा, ह्यमहंगाई देश में सबसे बड़ा मुद्दा है। इस पर न तो प्रधानमंत्री और न ही वित्त मंत्री या राज्य और देश के भाजपा नेता बोल रहे हैं। उन्हें बस इस बात की चिंता है कि पंजाब और महाराष्ट्र की पुलिस क्या कर रही है। वहीं, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने नई धमकी दी है। राज ठाकरे ने पुणे के पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सभी मौलवी इस बात का लिखित तौर पर बयान दें कि वो लाउडस्पीकर से अजान नहीं करेंगे। उन्होंने अपने पत्र में एक बार फिर कहा है कि यदि उन्होंने इसको नहीं माना तो वो इस बार पुलिस स्टेशनों के सामने ही उडस्पीकरों से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास, गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net